



Bhupinder



Pooja

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121836901

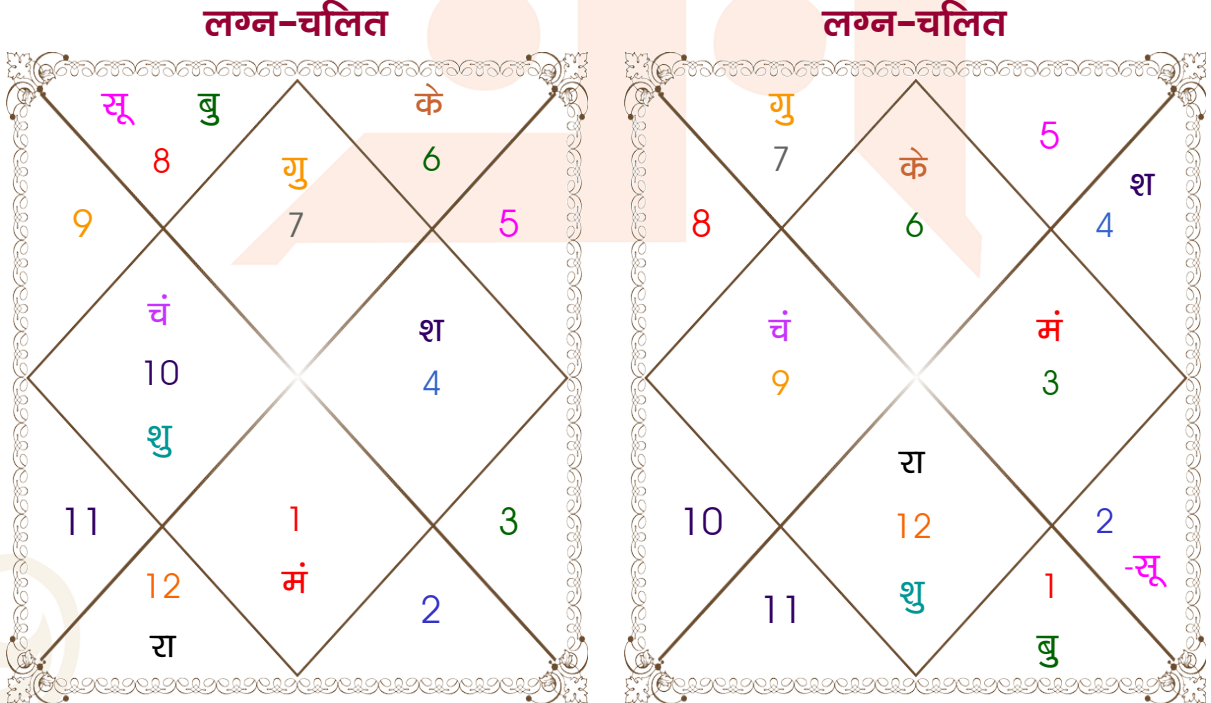
पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
4-05/12/2005 :	जन्म तिथि	: 16/05/2006
रवि-सोमवार :	दिन	: मंगलवार
घंटे 04:00:00 :	जन्म समय	: 16:00:00 घंटे
घटी 51:54:29 :	जन्म समय(घटी)	: 25:59:38 घटी
India :	देश	: India
Firozpur :	स्थान	: Firozpur
30:55:00 उत्तर :	अक्षांश	: 30:55:00 उत्तर
74:38:00 पूर्व :	रेखांश	: 74:38:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:31:28 :	स्थानिक संस्कार	: -00:31:28 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
07:14:12 :	सूर्योदय	: 05:36:08
17:29:14 :	सूर्यास्त	: 19:19:55
23:56:20 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:56:44
तुला :	लग्न	: कन्या
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: बुध
मकर :	राशि	: धनु
शनि :	राशि-स्वामी	: गुरु
उत्तराषाढा :	नक्षत्र	: मूल
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: केतु
2 :	चरण	: 4
वृद्धि :	योग	: साध्य
विष्टि :	करण	: बव
भो-भोजराज :	जन्म नामाक्षर	: भी-भीनी
धनु :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: वृष
वैश्य :	वर्ण	: क्षत्रिय
जलचर :	वश्य	: मानव
नकुल :	योनि	: श्वान
मनुष्य :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
मूषक :	वर्ग	: मूषक

## ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 3वर्ष 1मा 26दि	06:58:25	तुला	लग्न	कन्या	19:59:36	केतु 1वर्ष 7मा 0दि
राहु	18:56:39	वृश्चि	सूर्य	वृष	01:28:45	शुक्र
30/01/2026	02:59:19	मक	चंद्र	धनु	10:19:01	16/12/2007
31/01/2044	14:28:57	मेष व	मंगल	मिथु	25:03:53	16/12/2027
राहु 13/10/2028	00:51:35	वृश्चि	बुध	मेष	28:34:18	शुक्र 16/04/2011
गुरु 08/03/2031	14:27:28	तुला	गुरु व	तुला	18:33:47	सूर्य 15/04/2012
शनि 12/01/2034	00:54:28	मक	शुक्र	मीन	20:53:10	चन्द्र 15/12/2013
बुध 31/07/2036	17:13:28	कर्क व	शनि	कर्क	11:53:30	मंगल 14/02/2015
केतु 19/08/2037	17:36:47	मीन व	राहु व	मीन	09:00:49	राहु 14/02/2018
शुक्र 19/08/2040	17:36:47	कन्या व	केतु व	कन्या	09:00:49	गुरु 15/10/2020
सूर्य 13/07/2041	13:03:24	कुंभ	हर्ष	कुंभ	20:19:26	शनि 16/12/2023
चन्द्र 12/01/2043	21:18:12	मक	नेप	मक	25:51:40	बुध 15/10/2026
मंगल 31/01/2044	29:56:38	वृश्चि	प्लूटो व	धनु	02:14:55	केतु 16/12/2027

व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

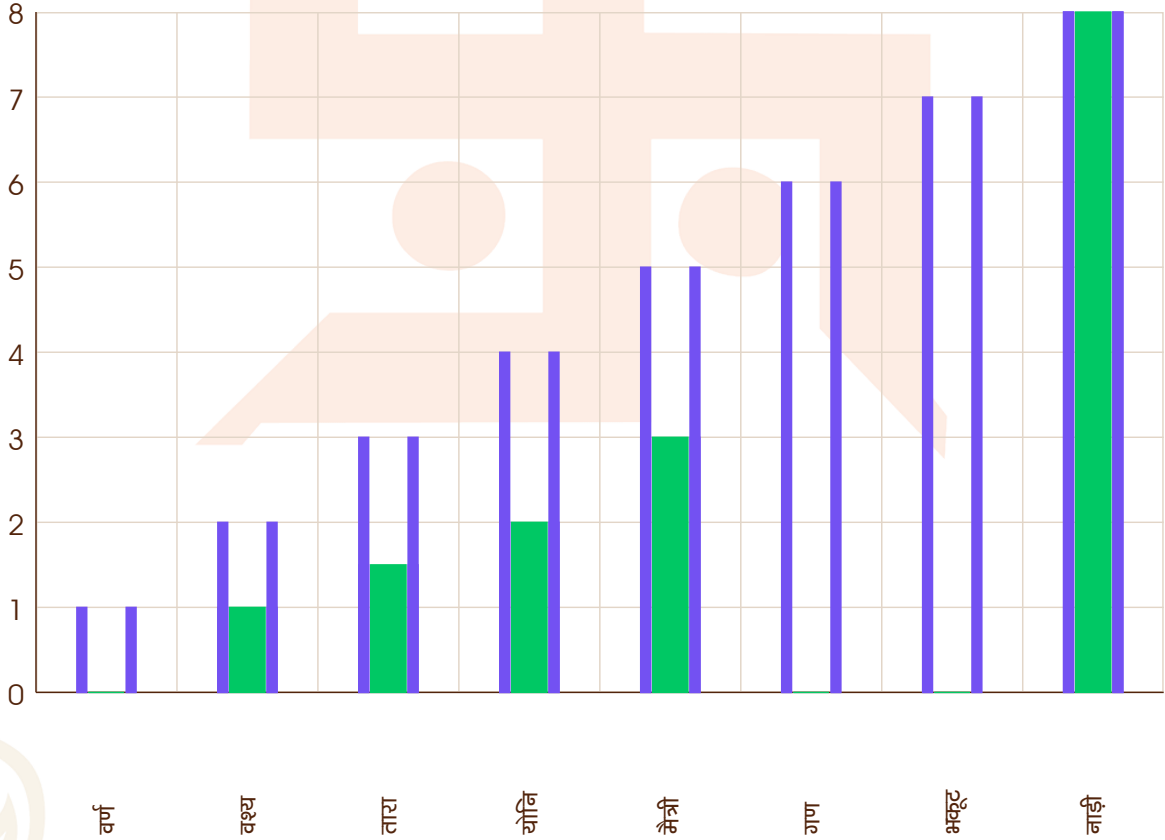
23:56:20 चित्रपक्षीय अयनांश 23:56:44



## अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	क्षत्रिय	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	नकुल	श्वान	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	गुरु	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	मकर	धनु	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
<b>कुल :</b>			<b>36</b>	<b>15.50</b>		

कुल : 15.5 / 36



## अष्टकूट मिलान

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Bhupinder का वर्ग मूषक है तथा Pooja का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Bhupinder और Pooja का मिलान ठीक नहीं है।

### मंगलीक दोष मिलान

Bhupinder मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः ।  
कुजदोषो न विद्यते ।।**

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Bhupinder कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम् ।  
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगृहेवा ।।**

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

ढ्यःडडमंगंवूदकमइ;0द्धत्र।द्धइ क्योंकि मंगल Bhupinder कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।  
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Bhupinder कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Pooja मंगलीक नहीं है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।  
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल

पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Pooja कि कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहु त्रिषट् एकादशे शनिः ।  
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Pooja कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Bhupinder तथा Pooja में मंगलीक मिलान ठीक है।

**निष्कर्ष**

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।

## अष्टकूट फलादेश

### वर्ण

Bhupinder का वर्ण वैश्य है तथा Pooja का वर्ण क्षत्रिय है। क्योंकि Pooja का वर्ण Bhupinder के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। इसके फलस्वरूप Pooja अति वर्चस्वशाली, आक्रामक, झगड़ालू प्रवृत्ति की होगी एवं देखभाल नहीं करने वाली होगी। Pooja को हमेशा यह घमंड एवं अहंकार होता रहेगा कि वह अपने पति से श्रेष्ठ है तथा हमेशा अपने पति एवं पति के परिवार के सदस्यों को नीची निगाह से देखने वाली होगी।

### वश्य

Bhupinder का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Pooja का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Bhupinder एवं Pooja एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Pooja क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

### तारा

Bhupinder की तारा विपत तथा Pooja की तारा मित्र है। Bhupinder की तारा विपत होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Bhupinder एवं Pooja के परिवार के लिए यह विवाह कष्टदायक हो सकता है तथा जिसके परिणामस्वरूप कष्ट, हानि एवं विपत्ति की संभावना बनी रहेगी। यद्यपि Pooja हमेशा अपने पति एवं परिवार के लिए सहयोगी एवं मददगार बनी रहेगी किंतु अपने पति के दुर्भाग्य का शिकार होकर Pooja को भी कष्ट झेलना पड़ सकता है। दुर्भाग्यवश बच्चे भी एवं विपन्नता का शिकार हो सकते हैं।

### योनि

Bhupinder की योनि नकुल है तथा Pooja की योनि श्वान है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं हैं और इनके बीच उदासीनता का अर्थात् सम संबंध है। अतः यह मिलान औसत मिलान कहलायेगा। जिसके कारण दोनों के बीच आपसी समझबूझ का अभाव रहेगा तथा जीवन में सहयोग की भावना एवं प्रेम का अभाव भी बना रहेगा। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई झगड़े होंगे तथा परिवार में तनाव तथा अशांति का भाव भी रह सकता है। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी बनी रहेगी। दोनों एक दूसरे को संदेह की भावना से देखेंगे जिससे दोनों के बीच कटुता का भाव भी पैदा होगा। दोनों के बीच आपसी समझ की कमी भी रहेगी अतः दोनों के बीच वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं। संभव है कि दोनों के बीच अवैध संबंध को लेकर संदेह की भावना बन जाये जिसके कारण पारिवारिक तनाव भी हो सकता है।

बात-बात में दोनों के बीच में कभी कभी तर्क-वितर्क की जगह कुतर्क भी हो सकता है। वर या कन्या में से कोई भी विश्वासघात भी कर सकता है। जिसके कारण दोनों के बीच लड़ाई झगड़ा भी हो सकता है। इनको अपने जीवन में अत्याधिक संघर्ष के उपरांत ही सफलता प्राप्त होगी अतः कठिन परिश्रम की आवश्यकता पड़ेगी। इसके बावजूद इनको अपने जीवन में सफलता कम ही मिलेगी। अर्थात् मेहनत अधिक और परिणाम कम ही मिलने की संभावना है। जिसके कारण दोनों को समय-समय पर मानसिक पीड़ा होती रहेगी। पारिवारिक आय औसत ही रहेगी। अर्थात् धनागम के स्रोत कम ही रहेंगे। पति-पत्नी के बीच विचारों में भिन्नता होगी एवं जीवन में उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों लापरवाह प्रवृत्ति के होंगे किंतु परिवार के प्रति कर्तव्यनिष्ठ रहेंगे। दोनों के बीच रोमांस एवं सेक्स में रुचि की कमी भी रह सकती है। कई बार वाद-विवाद में तर्क-वितर्क होते रहेंगे। जिसके कारण समय-समय पर धन हानि भी हो सकती है। आपस में प्रेम एवं सौहार्द की भी कमी रहेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन बहुत अच्छा न रहकर निम्न सामान्य स्तर का ही होगा।

### मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Bhupinder एवं Pooja दोनों के राशि स्वामी परस्पर सम हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से औसत मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यह मिलान औसत माना जायेगा। इसके कारण जीवन एवं करियर में हमेशा उतार-चढ़ाव बने रहेंगे। दोनों के बीच प्रेम एवं सहयोग का माहौल रहेगा किंतु यदा-कदा आपस में ये लड़ाई-झगड़ा भी कर सकते हैं। हालांकि ये जल्दी ही अपने झगड़े को भुलाकर समझौता भी कर लेंगे तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ते रहेंगे। सफलता पाने के लिए इनको अथक परिश्रम एवं उद्यम करना पड़ सकता है।

### गण

Bhupinder का गण मनुष्य तथा Pooja का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Pooja का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Bhupinder एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

### भकूट

Bhupinder से Pooja की राशि द्वादश भाव में स्थित है Pooja से Bhupinder की राशि द्वितीय भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अच्छा नहीं है। जिसके फलस्वरूप दोनों के बीच कलह, लड़ाई-झगड़े, मुकदमेबाजी, तलाक एवं परिवार में कुछ अनहोनी घटनाएं आदि हो सकती हैं। इस मिलान में Bhupinder परिश्रमी, परिवार से प्रेम करने वाला, अच्छा कमाने वाला तथा बचत करने वाला होगा किंतु Pooja का स्वभाव इसके ठीक विपरीत होगा। Pooja की शारीरिक स्थिति कमजोर तथा स्वास्थ्य अक्सर खराब रह सकता है। साथ ही Pooja तुरंत क्रोधित होने वाली तथा अपव्ययी होंगी। वह अपने पति द्वारा कमाए गए पैसों को अपने

फालतू शौकों एवं दिखावे में व्यय करने वाली होंगी। परिणामतः दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़े होते रहेंगे।

### नाड़ी

Bhupinder की नाड़ी अन्त्य है तथा Pooja की नाड़ी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Bhupinder की अन्त्य नाड़ी तथा Pooja की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न होंगी।



# मेलापक फलित

## स्वभाव

Bhupinder की राशि पृथ्वीतत्व युक्त मकर तथा Pooja की राशि अग्नि तत्व युक्त धनुराशि है। पृथ्वी एवं अग्नि में नैसर्गिक विषमता होने के कारण दोनों के मध्य स्वभावगत असमानता रहेगी फलतः परस्पर संबंधों में तनाव रहेगा जिससे वैवाहिक जीवन परेशानी से युक्त रहेगा। अतः यह मिलान अनुकूल नहीं रहेगा।

Bhupinder की राशि का स्वामी शनि तथा Pooja की राशि का स्वामी बृहस्पति परस्पर सम राशियों में स्थित है। अतः Bhupinder और Pooja दोनों के वैवाहिक संबंधों में मधुरता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहयोग तथा सहानुभूति का भाव विद्यमान रहेगा साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को सहयोग प्रदान करने को तत्पर रहेंगे। ये दोनों परस्पर गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करेंगे तथा सतमित्रों की तरह कमियों की उपेक्षा करेंगे फलतः वैवाहिक जीवन में सुखद क्षणों की प्राप्ति होगी।

Bhupinder और Pooja की राशियां परस्पर द्वितीय तथा द्वादश भाव में स्थित हैं शास्त्रानुसार यह भकूट दोष माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से उपरोक्त शुभफलों में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम सहयोग के स्थान पर विरोध एवं वैमनस्य का भाव उत्पन्न होगा जिससे संबंधों में तनाव तथा कटुता का भाव रहेगा। साथ ही एक दूसरे के प्रति आलोचनात्मक दृष्टिकोण भी रहेगा फलतः वैवाहिक जीवन में भी न्यूनता रहेगी तथा सुखद क्षणों का अभाव रहेगा। यदि Bhupinder और Pooja बुद्धिमता एवं सामंजस्य से काम ले तो इनमें किंचित शुभता आ सकती है।

Bhupinder का वश्य चतुष्पद है तथा Pooja का वश्य मानव है। मानव तथा चतुष्पद वश्य में आपस में नैसर्गिक असमानता तथा शत्रुता का भाव रहता है। इसके प्रभाव से Bhupinder और Pooja की अभिरुचियों में अन्तर होगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी असमानताएँ रहेंगी तथा एक दूसरे को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रखने में असमर्थ रहेंगे।

Bhupinder का वर्ण वैश्य तथा Pooja का वर्ण क्षत्रिय है। अतः Bhupinder की प्रवृत्ति धनार्जन में होगी तथा धन को विशेष महत्व देंगे परन्तु Pooja प्रायः परिश्रमी कार्यो को संपन्न करेगी फलतः कार्यक्षेत्र में असमानता के कारण यदा कदा समस्याएँ उत्पन्न हो सकती हैं।

## धन

Bhupinder और Pooja दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। Bhupinder और Pooja दोनों की राशियां परस्पर द्वितीय एवं द्वादश भाव में पड़ती

है। अतः यह भकूट दोष माना जाएगा जिससे धनार्जन में परिश्रम की बहुलता रहेगी लेकिन मंगल के शुभ प्रभाव से उचित धन प्राप्त करके आर्थिक स्थिति में सुदृढ़ता बनी रहेगी।

भकूट दोष के प्रभाव से Bhupinder की प्रवृत्ति व्ययशील होगी। वह जुआ सट्टा लाटरी आदि पर भी वे अधिक व्यय करेंगे जिससे यदा कदा अर्थिक विषमता की अनुभूति हो सकती है लेकिन इसका प्रभाव अधिक समय तक नहीं रहेगा। सामान्यतया स्थिति अनुकूल ही रहेगी तथापि Bhupinder को ऐसी प्रवृत्तियों की यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

### स्वास्थ्य

Bhupinder का अन्य तथा Pooja का आद्य नाड़ी में जन्म हुआ है अतः दोनों की नाड़ियां भिन्न होने के कारण नाड़ी दोष के प्रभाव से ये मुक्त रहेंगे जिससे इनका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्यतया अच्छा ही रहेगा। लेकिन मंगल का Pooja के स्वास्थ्य पर अशुभ प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से वह रक्त या पित विकार से परेशान होंगी तथा यदा कदा हृदय संबंधी कष्ट की भी संभावना रहेगी। साथ ही गुप्त रोग एवं काम क्रिया में उदासनीनता का भाव भी विद्यमान रहेगा। इससे पति पत्नी के आपसी संबंधों में तनाव उत्पन्न होगा जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता में अल्पता आएगी। अतः मंगल के प्रभाव को कम करने के लिए Pooja को चाहिए कि वह नियमित रूप से हनुमानजी की पूजा करें तथा मंगलवार के उपवास भी रखें।

### संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Bhupinder और Pooja का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Bhupinder और Pooja के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Pooja के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Pooja को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Pooja को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Bhupinder और Pooja सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Bhupinder और Pooja का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Pooja के सास से प्रायः अच्छे संबंध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Pooja के लिए अनुकरणीय हो सकते हैं। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Pooja अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबंध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Pooja के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टिकोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

## ससुराल-श्री

Bhupinder के अपनी सास से मधुर संबंध रहेंगे तथा आपसी सामंजस्य से इसमें निरन्तर वृद्धि होती रहेगी। सास को Bhupinder अपनी माता के समान आदर प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा का भी ध्यान रखेंगे। साथ ही समय समय पर सपत्नीक उनके यहां मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों की प्रगाढ़ता में वृद्धि होगी।

ससुर के साथ भी Bhupinder के संबंधों में मधुरता रहेगी। साथ ही उन का भी इनके प्रति विशेष वात्सल्य रहेगा। व्यक्तिगत मामलों तथा आपसी संबंधों में मित्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा जिससे एक दूसरे की बातों का आदान प्रदान होता रहेगा। साथ ही साली एवं सालों से भी संबंधों में मित्रता सहानुभूति तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा एक दूसरे से औपचारिक संबंध रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल के लोगों का दृष्टिकोण Bhupinder के प्रति सम्मानीय रहेगा तथा वे उनके व्यवहार से प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।